***विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय***

***वर्ग-नवम***

***विषय -हिन्दी***

***||पुनरावृत्ति ||***

***दी गयी सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें ,समझें और कांपी में लिखें ।***

***तत्पुरुष समास के बताए गये भेदों के दस-दस समस्त पद लिखें तथा उसका समासिक विग्रह करें ।***

# तत्पुरुष समास

इस लेख में हम समास के भेद तत्पुरुष समास के बारे में पढेंगे।

(सम्पूर्ण समास के बारे में गहराई से पढनें के लिए यहाँ क्लिक करें – समास : भेद, परिभाषा, शब्द)

**विषय-सूचि**


तत्पुरुष समास की परिभाषा

तत्पुरुष समास के उदाहरण :

तत्पुरुष समास के भेद

1. कर्म तत्पुरुष समास :
2. करण तत्पुरुष समास :
3. सम्प्रदान तत्पुरुष समास :
4. अपादान तत्पुरुष समास :
5. सम्बन्ध तत्पुरुष समास
6. अधिकरण तत्पुरुष समास :


# तत्पुरुष समास की परिभाषा

तत्पुरुष समास वह होता है, जिसमें उत्तरपद प्रधान होता है, अर्थात प्रथम पद गौण होता है एवं उत्तर पद की प्रधानता होती है व समास करते वक़्त बीच की विभक्ति का लोप हो जाता है।

इस समास में आने वाले कारक चिन्हों को, से, के लिए, से, का/के/की, में, पर आदि का लोप होता है।

# तत्पुरुष समास के उदाहरण :

- मूर्ति को बनाने वाला – मूर्तिकार
- काल को जीतने वाला – कालजयी
- राजा को धोखा देने वाला – राजद्रोही
- खुद को मारने वाला – आत्मघाती
- मांस को खाने वाला – मांसाहारी
- शाक को खाने वाला – शाकाहारी

# तत्पुरुष समास के भेद

कारक चिन्हों के अनुसार इस समास के छः भेद हो जाते है।

1. कर्म तत्पुरुष समास
2. करण तत्पुरुष समास
3. सम्प्रदान तत्पुरुष समास
4. अपादान तत्पुरुष समास
5. सम्बन्ध तत्पुरुष समास
6. अधिकरण तत्पुरुष समास

## 1. कर्म तत्पुरुष समास :

## 1. कर्म तत्पुरुष समास :

यह समास **'को'** चिन्ह के लोप से बनता है। **जैसे :**

- ग्रामगत : ग्राम **को** गया हुआ।
- यशप्राप्त : यश **को** प्राप्त।
- स्वर्गगत : स्वर्ग **को** गया हुआ।
- ग्रंथकार : ग्रन्थ **को** लिखने वाला।
- माखनचोर : माखन **को** चुराने वाला।
- सम्मानप्राप्त : सम्मान **को** प्राप्त

ऊपर दिए गए उदाहरणों में जैसा की आप देख सकते हैं यहां सभी शब्दों में उत्तरपद प्रधान है एवम पूर्वपद गौण है। जब इनका समास किया जाता है तब इनके बीच में **को** योजक चिन्ह का लोप हो जाता है।

अतः ये उदाहरण कर्म तत्पुरुष समास के अंतर्गत आएंगे।

- परलोकगमन : परलोक **को** गमन।
- शरणागत : शरण **को** आया हुआ।
- आशातीत : आशा **को** लाँघकर गया हुआ।
- सिरतोड़ : सिर **को** तोड़ने वाला।
- गगनचुम्बी : गगन **को** चूमने वाला।
- रथचालक : रथ **को** चलाने वाला।
- जेबकतरा : जेब **को** कतरने वाला।

जैसा की आप ऊपर दिए गए उदाहरणों में देख सकते हैं की यहाँ भी सभी शब्दों में उत्तरपद प्रधान है एवम पूर्वपद गौण है। जब इनका समास किया जाता है तब इनके बीच में **को** योजक

जब इनका समास किया जाता है तब इनके बीच में **को** योजक चिन्ह का लोप हो जाता है।

अतः ये उदाहरण कर्म तत्पुरुष समास के अंतर्गत आएंगे।

## 2. करण तत्पुरुष समास :

यह समास दो कारक चिन्हों '**से**' और '**के द्वारा**' के लोप से बनता है। **जैसे:**

- करुणापूर्ण : करुणा **से** पूर्ण
- शोकाकुल : शौक **से** आकुल
- वाल्मीकिरचित : वाल्मीकि **द्वारा** रचित
- शोकातुर : शोक **से** आतुर
- कष्टसाध्य : कष्ट **से** साध्य
- मनमाना : मन **से** माना हुआ
- शराहत : शर **से** आहत

ऊपर दिए गए उदाहरण में जैसा की आप देख सकते हैं यहां सभी शब्दों में उत्तरपद प्रधान है एवम पूर्वपद गौण है। जब इनका समास किया जाता है तब इनके बीच में **से** योजक चिन्ह का लोप हो जाता है।

अतः ये उदाहरण करण तत्पुरुष समास के अंतर्गत आएंगे।

- अकालपीड़ित : अकाल **से** पीड़ित
- भुखमरा : भूख **से** मरा
- सूररचित : सूर **द्वारा** रचित
- आचार्कुशल : आचार **से** कुशल
- रसभरा : रस **से** भरा

जैसा की आप ऊपर दिए गए उदाहरणों में देख सकते हैं यहां सभी शब्दों में उत्तरपद प्रधान है एवम पूर्वपद गौण है। जब इनका समास किया जाता है तब इनके बीच में **से** योजक चिन्ह का लोप हो जाता है।

अतः ये उदाहरण करण तत्पुरुष समास के अंतर्गत आएंगे।

## 3. सम्प्रदान तत्पुरुष समास :

इस समास में कारक चिन्ह **'के लिए'** का लोप हो जाता है।
**जैसे:**

- प्रयोगशाला : प्रयोग **के लिए** शाला
- डाकगाड़ी : डाक **के लिए** गाडी
- रसोईघर : रसोई **के लिए** घर
- यज्ञशाला : यज्ञ **के लिए** शाला
- देशार्पण : देश **के लिए** अर्पण
- गौशाला : गौओं **के लिए** शाला
- सत्याग्रह : सत्य **के लिए** आग्रह

ऊपर दिए गए उदाहरणों में जैसा की आप देख सकते हैं यहां सभी शब्दों में उत्तरपद प्रधान है एवम पूर्वपद गौण है। जब इनका समास किया जाता है तब इनके बीच में **के लिए** योजक चिन्ह का लोप हो जाता है।

अतः ये उदाहरण सम्प्रदान तत्पुरुष समास के अंतर्गत आएंगे।

- पाठशाला : पाठ **के लिए** शाला
- देशभक्ति : देश **के लिए** भक्ति